AECC – 4.5

NEW HORIZON COLLEGE
LIBRARY
KASTURINAGAR
BANGALORE-43

I Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, February/March 2024
(NEP Scheme) (Freshers and Repeaters)
HINDI
Paper – 01 : Nibandh, Karyalay Hindi Aur Sankshepan

Time : 2½ Hours Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों का **एक** शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए । **(10×1=10)**

1) 'आनंद के क्षण' निबन्ध के रचनाकार का नाम लिखिए ।

2) पक्ष–पूजा का सम्मान कभी कहाँ रहा होगा ?

3) जीवन किसकी सृष्टि है ?

4) बूढ़ी माँ की रक्षा का भार किस पर था ?

5) सामने की हवेली के कंगूरे पर कौन बैठा था ?

6) अंग्रेजी राज्य का भल्लाह कौन है ?

7) जोरदार धमाका किसके ढ़हने का होता है ?

8) प्रसिद्ध लेखक कार्लेल से एक दिन कौन मिलने आया ?

9) मनुष्य कुछ किस गुणों से गौरव पाता है ?

10) सत्य से आत्मा का सम्बन्ध कितने प्रकार का है ?

II. किन्हीं **दो** का सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(2×7=14)**

1) 'जो स्वभाव से अच्छे है, वह अच्छे ही रहेंगे, चाहे कुछ भी पढ़े । जो स्वभाव से बुरे होते है, वह बुरे ही रहेंगे, चाहे वह कुछ भी पढ़े ।'

2) 'जब देवी तुम्हारा पूरा न कर सकी, तब मेरा क्या करेगी, पर उनके वरदान की गंभीरता ने मुख से कुछ न निकलने दिया ।'

3) 'मृत्यु उसी के पीछे पड़ती है जो जीने का रस लेता है, दुसरे को रस देता है या शायद मृत्यु का प्रलोभन जीवन की परीक्षा है ।'

P.T.O.

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए । **(1×16=16)**

1) वैशाली नगरी की गौरव-गाथा का सविस्तार से वर्णन कीजिए ।

2) 'घायल बसंत' निबन्ध का सारांश लिखते हुए लेखक का संक्षिप्त जीवन परीचय लिखिए ।

IV. कोई **एक** पर टिप्पणी लिखिए । **(1×5=5)**

1) जीवन में आनन्द का क्षण ।

2) लार्ड कार्नवालिस ।

V. किसी **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए । **(2×4=8)**

1) आलेखन कितने प्रकार के होते है उसके बारे में लिखिए ।

2) प्रतिवेदन के मुख्य तत्वों का उल्लेख कीजिए ।

3) टिप्पण की परिभाषा लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश को उचित शीर्षक देते हुए **एक** तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए । **(1×7=7)**

टेलीविजन का प्रारम्भ पहले-पहल उद्योग-प्रधान देशों में हुआ । उन देशों में इंग्लैड, रूस, जर्मनी और जापान प्रमुख हैं । भारत में इनके पश्चात प्रचार बढ़ा और अब तो जीवन का आवश्यक अंग बन गया है । अब तो नगरों तो क्या गावों और कस्बों में भी मनोरंजन, सूचना, समाचार का लोकप्रिय साधन बन गया है । आज तो इसकी सामाजिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन, वाद-विवाद विविध प्रकार के खेल, कृषि-विज्ञान, नृत्य, नाटक आदि ऐसे विषय है जिससे टेलीविजन की उपयोगिता अधिक बढ़ गई है ।

टेलीविजन से मानव जीवन में कई लाभ है । यह सारे जीवन सम्बन्धी दृष्टिकोण को अधिकाधिक व्यापक बनाकर हमारे विकास में हाथ बँटायेगा । हमारी कार्य कुशलता के विस्तार में सहायक होकर देश के नवनिर्माण में सहयोगी होगा । प्रारंम्भिक काल में टेलीविजन की प्रस्तुति में हम देखते है कि उत्तरोत्तर विकास हुआ है । और आज भी वैज्ञानिक इस कार्य को कर रहे है कि इसकी प्रस्तुति को अच्छा से अच्छा हो सके । हमारा देश भी उपग्रहों का प्रयोग कर प्रसारण की दिशा में स्वालम्बी हों रहा हैं । राष्ट्रीय प्रसारणों से शिक्षा के क्षेत्र की कायापलट की गई है । टेलीविजन मनुष्यों के लिए विज्ञान की एक महान देन है ।